Dr. Raj Gopal
Assistant Professor (G/P.T)
Department of Philosophy
V.S.J. College Rajnagar Madhubani
Mail ID:- rajgopal7755@gmail.com

The Doctrine of Momentariness
(क्षणिकवाद सिद्धान्त)

गौतम बुद्ध का अनित्यवाद सिद्धान्त प्रतीत्यसमुत्पाद सिद्धान्त पर आधारित है। प्रतीत्यसमुत्पाद सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक वस्तु का कोई न कोई कारण होता है। कारण का अन्त होने के पश्चात वस्तु का भी नाश हो जाता है। इससे प्रत्येक वस्तु चेतन और अचेतन दोनों की अनित्यता एवं अस्थायित्व प्रमाणित है। वे विश्व की सभी वस्तुओं को परिवर्तनशील माना है। धम्मपद में कहा गया है कि "जो नित्य एवं स्थायी मालूम पड़ता है, वह भी नाशवान है। जो महान मालूम पड़ता है उसका भी पतन निश्चित है। जहाँ संयोग है वहाँ वियोग है। जहाँ जन्म है वहाँ मरण भी है।" इस प्रकार बुद्ध ने प्रत्येक वस्तु को अनित्य एवं प्रतिक्षण परिवर्तनशील माना है।

अनित्यवाद शाश्वतवाद एवं उच्छेदवाद के बीच का मार्ग है। प्रत्येक वस्तु सत् है, यह एक मत है। दूसरी ओर उच्छेदवाद के अनुसार प्रत्येक वस्तु असत् है, यह दूसरा मत है। बुद्ध ने इन दोनों का समन्वय करने का प्रयास किया है। वे इन दोनों मतों से अलग मध्यम मार्ग का उपदेश दिया है। मध्यम मार्ग का सिद्धान्त यह बतलाता है कि जीवन परिवर्तनशील है। जीवन को परिवर्तनशील कह कर बुद्ध ने सत् और असत् का समन्वय किया है।

Scanned with CamScanner

परिवर्तन एवं अनात्मवाद का सिद्धान्त भारतीय दर्शन में बौद्ध दर्शन का अनोखा देन है। संसार परिवर्तन का एक प्रवाह है। यह घटनाओं एवं विचारों का प्रवाह मात्र है जिसमें प्रतिक्षण परिवर्तन होते रहता है। जीवन परिवर्तन की अभिव्यक्ति की श्रृंखलामात्र है। प्रत्येक वस्तु परतन्त्र, आश्रित, सापेक्ष तथा प्रतीत्यसमुत्पन्न होने के कारण अनित्य एवं अनात्म है। उन्होंने आत्मा एवं अन्य सांसारिक वस्तुओं को घटनाओं का संघात एवं परिवर्तन के रूप में देखा है। जिस प्रकार से अग्नि की ज्वाला एवं दीपक की लौ अपरिवर्तित दिखाई देती है, परन्तु वास्तविकता में प्रतिक्षण बदलती रहती है। इन लौ की निरन्तर प्रवाह के कारण एकता की प्रतीति होती है। उसी प्रकार नदी की धारा अपने समान प्रवाह में एक रूप प्रतीत होती है, यद्यपि प्रतिक्षण नयी जलराशी आ जाती है।

धारा की एक जलराशी दूसरी जलराशी के समान है परन्तु दोनों एक नहीं है। प्रवाह के तीव्र वेग और निरन्तरता के कारण समानता के स्थान पर एकता की एवं अविच्छिन्नता (अटूटता) के स्थान पर एकता की प्रतीति होती है। यह वास्तविकता नहीं केवल भ्रान्ति है। इसी प्रकार संसार के सभी पदार्थ अनित्य एवं परिवर्तनशील है। आत्मा भी क्षणिक विज्ञानों का प्रवाह मात्र है। यहाँ परिवर्तन एवं प्रवाह में निरंतरता है। अतः उनमें एकता एवं नित्यता की भ्रान्ति उत्पन्न होती है।

Scanned with CamScanner

बुद्ध ने संसार के चेतन एवं अचेतन सभी वस्तुओं को निरन्तर परिवर्तनशील मानकर के स्थायी सत्ता का निषेध किया है। परिवर्तनशीलता का यह सिद्धान्त ग्रीक दार्शनिक हेराक्लाइटस एवं समकालीन दार्शनिक हेनरी बर्गसां के विचारों से मेल खाता है। हेराक्लाइटस के अनुसार परिवर्तन इतना शीघ्रता से हो रहा है कि हम एक ही धारा में दो बार स्नान नहीं कर सकते हैं। बर्गसां के अनुसार सत्ता ऐसी वस्तु नहीं जो परिवर्तनशील है, अपितु स्वयं परिवर्तन ही सत्ता है।" हरस्टेड कहते हैं कि - हम जिस वस्तु को जिस समय देखते हैं वह उसी समय बदल जाती है। गौतम बुद्ध भी यही बात कहते हैं कि - सत्ता स्थायी न होकर अनित्य एवं परिवर्तनशील है।

बुद्ध के अनुयायियों ने कालान्तर में अनित्यवाद सिद्धान्त को क्षणिकवाद के रूप में परिवर्तित किया। क्षणिकवाद अनित्यवाद का ही विकसित रूप है। गौतम बुद्ध ने संसार की वस्तुओं को अनित्य और आत्मा को क्षणिक माना था। जहाँ अनित्यवाद किसी वस्तु का अस्तित्व अनित्य मानता है वहीं क्षणिकवाद के अनुसार किसी वस्तु का अस्तित्व कुछ समय के लिए नहीं बल्कि क्षणभर के लिए ही रहता है। क्षणिकवाद का अर्थ है "किसी वस्तु का उसकी उत्पत्ति के तुरन्त बाद विनाश"। संसार में सब कुछ क्षणिक है। बौद्ध दर्शन में वस्तु के सत्ता के संबंध में कहा गया है कि 'अर्थक्रियाकारित्व लक्षणं सत्' अर्थात सब वस्तु में अर्थक्षमता अथवा अर्थ उत्पन्न करने की शक्ति पायी जाती है तब वह क्षणिक एवं परिवर्तनशील होती है। यदि कोई वस्तु स्थायी एवं अपरिवर्तनशील होती है, उसमें किसी वस्तु की उत्पन्न

Scanned with CamScanner

करने की शक्ति नहीं होती है तो उस वस्तु की सत्ता नहीं होती है। इस प्रकार अस्थायी एवं नित्य सत्ता का विचार विरोधी है। बीज की सत्ता है, क्योंकि उससे अंकुर उत्पन्न होता है। अंकुर की सत्ता है क्योंकि उससे तना उत्पन्न होता है --- आदि। इस प्रकार सत्ता वस्तु मे परिवर्तन लाने की क्षमता का नाम है। क्षणिक-वाद के अनुसार संसार की सभी वस्तुएँ क्षणिक एवं परिवर्तनशील है।

Scanned with CamScanner